⛲⛲जल ⛲⛲

बिना जल होय नहीं, कोई सा भी काम

इसे साफ रखने हेतु, उपाय करे तमाम

जल प्यास बुजाए और क्रोध को शांत कराए

तीनो रत्नो मे एक, जो बनाए काम अनेक

जल बिन जीवन नहीं है संभव, यह भंडार पुरे सब करता है

खाना - पीना, फसले, स्वछता और बिजली आदी सब भरता है

एक - एक बूँद से भरता है सागर, इस सोच को सबको समझाना है

गांव - गांव, शहर - शहर मै, यह संदेश पहुंचाना है

बिन पानी ना फसले होगी, वृक्ष नहीं टिक पाएगे

भूख प्यास से होगा व्याकुल जीना, जीवन नहीं टिक पाएगा

हरा - भरा रखो इस जग को, वृक्ष तुम खूब लगाओ

पानी है अनमोल रतन, तुम एक एक बूँद बचाओ

प्यासे पानी पीते है, पानी से हम जीते है

जाने कब से है पानी, कितनी बड़ी है इसकी कहानी

अगर यूँ ही होती रही, जल की बर्बादी

तो एक दिन धरा से, खत्म हो जाएगी सारी आबादी

मत करो पानी बर्बाद, इतना तो तुम याद रखो

प्यासे ही तुम रह जाओगे, पानी बिना ना जी पाओगे

जल है अनमोल, इसका नहीं है कोई मोल

आओ सब मिलकर कसम खाए, बूँद - बूँद पानी की बचाये

बूँद - बूँद है खुशियाँ यारा, बूँद - बूँद जिंदगानी

बूँद - बूँद से सपने पुरे, बूँद - बूँद है पानी

बूँद - बूँद की उतनी बाते, जितनी जीवन की कहानी

ख़ामोशी इसमें रहती है, जैसे आँखो मे पानी

Cadet. Akhil

Reg. No. HP19SDA304914

C.O.E Government Degree college Sanjaoli, Shimla